

सहायक सहायक कलक्टर, लालसोट
मु.नं. 133/21 2021/275 (JCMS) सोना/फुलाडी

08/8/23

पराबली प्राचीन के प्राण प्रियत तवरी
पर पेश हुई। प्राचीन/वादिन का
प्रकरण में वादिन एवं प्रवर्धन के
बीच शरीरगत होने के कारण वादका
विश्व विद्ये जाने वाकत प्राप्त पेश
विद्ये है। प्राचीन को सुना गया।
प्राचीन/वादिन अब शरीरगत होने
के कारण अपने वाद के आगे चलाने
के इच्छुक नहीं है। वाद विश्व करना
चाहते हैं। विधि के प्रवधानानुसार की
को अपने वाद पत्र को किसी भी स्तर
पर वापस लेने का अधिकार है।
अतः प्राचीन/प्राचीन अपने वाद पत्र को
विश्व करना चाहते हैं। वाकलय को
कोई आपत्ति नहीं है। प्राचीन का
प्राप्त शरीरगत विद्ये जाना प्राथमिक है।
अतः प्राचीन पत्र शरीरगत विद्ये जाकर वाद
वादिन विश्व विद्ये जाना है तथा इसी स्तर
पर शरीरगत विद्ये जाना है। पराबली
केवल अन्तर होकर नकर से बच
है। वादिन पत्र है।

सहायक कलक्टर
लालसोट जिला-दीसा (राज.)